# भा.कृ.अनु.प. - राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान

एवं

# सूर्या फाउण्डेशन

द्वारा आयोजित

## ऑनलाइन

# डेरी प्रशिक्षण शिविर

**19 से 24 जुलाई 2021 तक**

सूर्या फाउण्डेशन

बी-3/330, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063

suryafoundation1 suryafnd surya_foundation suryafoundation suryafoundation.org

# शस्य श्यामला धरा बनाने की सार्थक पहल

*पूज्य दीदी माँ साध्वी ऋतंभरा जी*
*वात्सल्य ग्राम, वृंदावन*

राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान और सूर्या फाउण्डेशन द्वारा आयोजित ऑनलाइन डेरी प्रशिक्षण शिविर के समापन के अवसर पर परम आदरणीय श्री जयप्रकाश जी का मैं हृदय से आभार प्रकट करती हूँ। जिस प्रकार खेत रासायनिक खादों के कारण अपनी उर्वरता को खो देता है, उसी प्रकार जब हमारे हृदय को श्रद्धा की खाद नहीं मिल पाती तो वह भी बंजर हो जाता है। समस्या सिर्फ धरती व प्रकृति के प्रदूषण की नहीं है, समस्या तो मनुष्य के हृदय के अंदर के प्रदूषण की है। उसकी वासनाओं के कारण, महत्वाकांक्षाओं के कारण, अंधाधुंध ऐसी दौड़ दौड़ रहे हैं जिसमें कहाँ जाना है, यह नहीं पता। इतनी समृद्ध संस्कृति, इतना समृद्ध ज्ञान और विज्ञान उसके प्रति आस्था नहीं रही और उसका दण्ड हम आज भी भोग रहे हैं।

हमारी संस्कृति ने हमें एक सूत्र दिया था–"**शस्य श्यामला धरा**" यह तब संभव है, जब हमारा हृदय उर्वरा होगा। हृदय की बंजरता को दूर करने के लिए शांति व आनंद की खेती करनी होगी। इसमें श्रद्धा की बाढ़ लगानी होगी। बीज को सुरक्षित रखने के लिए गुरु कृपा की वर्षा की प्रतीक्षा करनी होगी। इस तरह के चिंतन से व्यक्ति निर्मित होता है तब वह जहाँ खड़ा होता है, वहाँ समाधान होता है।

गौ–माता को समर्पित आपका यह प्रशिक्षण शिविर, धरा को समर्पित आपकी कोशिशें, "शस्य श्यामला धरा" को बनाने के आपके प्रयत्न व धरती के सभी जड़ चेतन सभी के कल्याण की भावना तभी संभव होती है जब व्यक्ति का निर्माण होता है। यही काम सूर्या फाउण्डेशन पिछले 28 वर्षों से कर रहा है। बिल्डिंग, भवन, पथ बनते हैं पर उन पर चलने वाले पथिक का निर्माण भी होता है। जो व्यक्ति परोपकार करते है, वह दूसरों को पराया समझते हैं और जो अपने आप का चराचर में दर्शन करते हैं वह परोपकार नहीं सेवा करते हैं।

इस शिविर में मुझे सबसे अच्छी बात यह लगी है कि तरुण शक्ति भी इस डेरी सेक्टर में आकर्षित व आगे बढ़ रही है। मुझे आशा है कि शिविर के दौरान काफी कुछ नया सीखा होगा। आपकी सारी समस्याओं का समाधान एक है–सक्रिय भूमिका और उसमें भी निरंतरता। क्योंकि "ऊंचाइयाँ छूने वाले आसमान की तरफ नहीं देखा करते, वह धरती के भीतर अपने आप को समर्पित कर देते हैं, एक बीज की तरह और वह भी जब मिट्टी में मिलकर मिट्टी हो जाता है तो वृक्ष होने की संभावना पा जाता है फिर वह वटवृक्ष बनकर आसमान छूता है।"

आपके प्रयासों से धरती शस्य श्यामला होगी। हर आंगन में हवन धूम्र की सुगंध चलेगी। हर चेहरे पर मुस्कान, रोगों से मुक्त शरीर, मन बुद्धि स्थिर होगी। अहम् वयम् में समर्पित होगा। यह तब होगा जब हम एक साथ प्रयास करेंगे। सामूहिक शक्ति अद्भुत होती है। आप सभी को बहुत–बहुत धन्यवाद, बहुत–बहुत साधुवाद।

**पू. सद्गुरु उदय सिंह जी**
*प्रमुख, नामधारी संप्रदाय*

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा जो ऑनलाइन डेरी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ है। उसके लिए मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। इस महामारी के दौरान हम लोग मिल नहीं सकते। इसलिए इस प्रशिक्षण को ZOOM के माध्यम से किया गया हैं। मैं समझता हूँ कि इसका पशुपालकों को बहुत लाभ होगा। डेरी पशुपालन हमारे लिए वह अवस्था बन गई है, जिससे छोटे-छोटे किसान जुड़ गए हैं। दूध के मामले में कोऑपरेटिव मूवमेंट में जितना काम हमारे देश में हुआ है, वह कहीं नहीं हुआ। बेंगलुरु में नंदी के नाम से दूध उत्पादन और वितरण में कर्नाटक सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है।

सतगुरु राम सिंह जी के समय से हमारा गाय से बहुत ही पुराना संबंध रहा है। नामधारियों ने गाय बचाने के लिए बहुत सारी कुर्बानियाँ दी हैं। नामधारियों ने ही जो अपनी भारतीय नस्लें जिनमें प्रमुख रूप से साहीवाल और हरियाणा नस्लों को बहुत प्रोत्साहन दिया। दूसरी गायों की अपेक्षा साहीवाल गाय के दूध में ज्यादा फैट मिलता है। इसलिए मैं प्रार्थना करूँगा कि सूर्या फाउण्डेशन एवं एनडीआरआई से हम सब मिलकर अपनी भारतीय नस्लों को बचाएँ और उनमें सुधार करें। मेरी शुभेच्छा आप सब के साथ है।

**अजीत कुमार महापात्र जी**
*अखिल भारतीय गौ-सेवा प्रमुख*
*राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ*

राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान एवं सूर्या फाउण्डेशन द्वारा आयोजित डेरी प्रशिक्षण की योजना बनी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी गौ-सेवा की गतिविधि पर विशेष ध्यान दिया है। गौ-सेवा के विषय को श्रद्धा का विषय माना है। गौ-पालन केवल व्यवसाय ही नहीं जीवन का विषय भी है।

गाय या तो गौशाला में रहनी चाहिए या हमारे घर में रहनी चाहिए। वास्तव में, गाय लक्ष्मी है। गाय मातृ स्वरूप है। गाय हमारे सभी संकटों को दूर करने की क्षमता रखती है। जन्म देने वाली माँ का दूध किसी कारण से बच्चे को ना मिल पाए तो गौ माता के दूध से अपना संपूर्ण जीवन जी सकते हैं। शरीर के अंदर अगर प्रतिरोधक क्षमता अच्छी है तो हम कभी भी बीमार नहीं पड़ेंगे। अगर प्रतिरोधक क्षमता अच्छी नहीं तो मृत्यु भी हो सकती है। अगर हवा, पानी, भोजन अच्छा है तो शरीर के अंदर स्वाभाविक रूप से शक्ति प्राप्त होती है। यूरिया, डीएपी, पेस्टिसाइड द्वारा जो अन्न हमें प्राप्त होता है, उससे हमें कष्ट होता है। गाय के गोबर, गौ-मूत्र से तैयार जीवामृत घन, जीवामृत अद्भुत है। इसका परिणाम भी अद्भुत है। भगवान को भी गाय का दूध ही प्रिय है। गोवंश के दूध से हमें अत्यधिक ऊर्जा प्राप्त होती है। गाय के दूध के उत्पादन से केवल किसानों को नहीं भारत को भी समृद्ध बनाने का अभियान प्रारंभ हुआ है। डेरी व्यवसाय में हमें शुद्धता रखनी चाहिए।

दूध केवल दूध ही नहीं अमृत है। हमारी नई पीढ़ी को समृद्ध, समर्थ बनाने के लिए गौ-माता का दूध हमारे लिए सर्वोपरि है। इसी कारण हमारा भारत संवेदनशील भारत, समर्थ भारत बना है।

# डेरी क्षेत्र में प्रशिक्षण की नितांत आवश्यकता

**श्री परूषोत्तम रूपाला**
*माननीय केन्द्रीय मत्स्य, डेरी एवं पशुपालन मंत्री, भारत सरकार*

सूर्या फाउण्डेशन की ओर से डेरी क्षेत्र में रुचि रखने वाले लोगों के लिए ऑनलाइन डेरी प्रशिक्षण शिविर करने का आह्वान जब मेरी जानकारी में आया तो मैं बहुत ही प्रसन्न हुआ। सूर्या फाउण्डेशन के संस्थापक आदरणीय जयप्रकाश जी हमारे बहुत ही वरिष्ठ मार्गदर्शक हैं। कई वर्षों से मुझे बहुत ही महत्त्वपूर्ण बातों से अवगत कराते रहते हैं। हमारा मार्गदर्शन भी करते रहते हैं। आज के परिपेक्ष्य में, जब इस कोरोना के संकट काल से पूरा विश्व गुजर रहा है, हमने भी इसकी दो लहरों का अनुभव किया। आप सब जानते हैं कि इस संकटकाल में सारे काम, बिजनेस बंद हो गए थे। उसी समय एक व्यवसाय नियमित रूप से चला और जिन्होंने लोगों को भी आपूर्ति किया, वह है डेरी सेक्टर।

डेरी सेक्टर ऐसा व्यवसाय है जो कभी रुकने वाला नहीं है और न ही थमने वाला है। यह जो हमारा देश है, वह श्रीकृष्ण का देश है, जिसने संदेश दिया है कि तुम गाय का पालन करो, और आपका पालन मैं करता रहूँगा। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की नए भारत की जो परिकल्पना है, उसमें सुनिश्चित गौ-सेवा को, गौ-पालन को, और गौ-विद्या को इस देश में पुनः प्रतिष्ठा देने का कार्य भारत सरकार हमारे प्रधानमंत्री जी के दिशा-निर्देश में कर रही है।

पिछले दिनों सरकार ने पशुओं के लिए एंबुलेंस का प्रबन्ध कराने का निर्णय ले लिया है। हमने पशुओं की नस्ल को सुधारने के लिए निर्णय भी लिया है।

**ऑनलाइन शिविर के उद्घाटन सत्र में जुड़े शिविरार्थी**

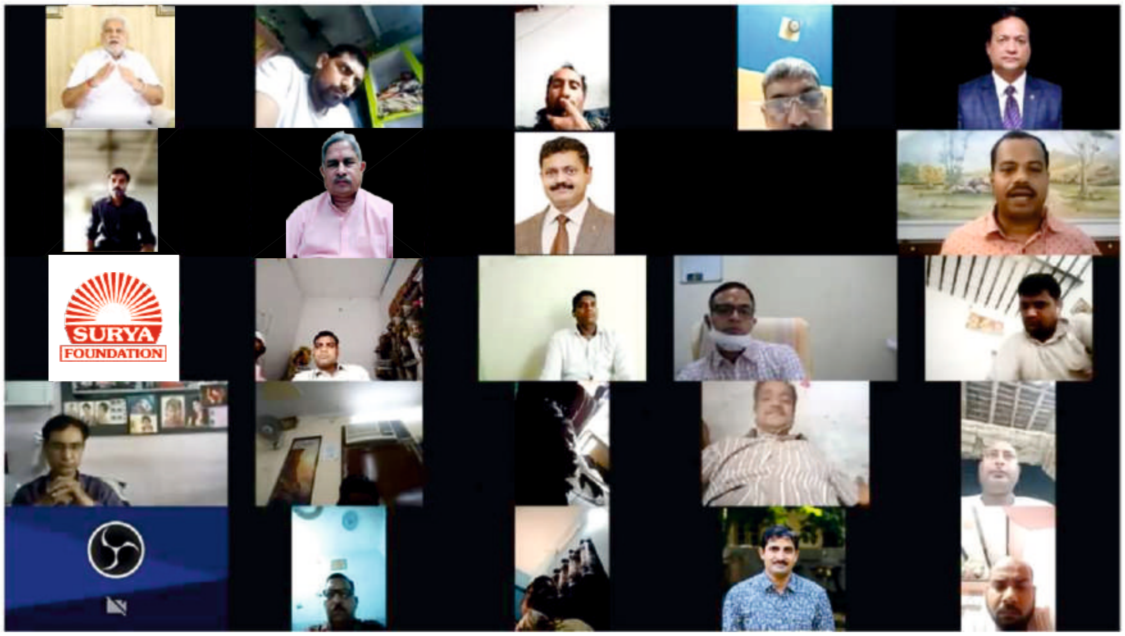

# पशुपालन में युवाओं का बढ़ता रूझान

**डॉ. संजीव कुमार बालयान**
*माननीय मत्स्य, डेरी एवं पशुपालन राज्यमंत्री, भारत सरकार*

बदलते हुए समय के साथ जो पढ़ा-लिखा युवा वर्ग है, वह कहीं-ना-कहीं पशुपालन की गतिविधियों में अपनी भूमिका तलाश कर रहा है। चाहे वह डेरी हो, पिगरी हो, पोल्ट्री हो या गोट्री हो। इन सेक्टर्स में युवा वर्ग काफी बढ़-चढ़कर आ रहा है। साथ ही इस सेक्टर्स को ऑर्गेनाइज करने में अपना योगदान भी दे रहा है। डेरी व अन्य सेक्टर्स में बिना प्रशिक्षण के काम करने से इसमें काफी नुकसान की संभावना रहती है। मुझे इस बात की खुशी है सूर्या फाउण्डेशन इस तरह के प्रशिक्षण में आ रहा है जो कि गाँव के स्तर पर रोजगार देने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण सेक्टर है।

मैं अपने मंत्रालय भारत सरकार की तरफ से सूर्या फाउण्डेशन को बधाई देता हूँ और धन्यवाद भी करता हूँ कि जो काम हमें करना चाहिए, उसमें सूर्या फाउण्डेशन भी हमारा साथ दे रहा है। वैज्ञानिकों के सुझाव व उन प्रगतिशील किसानों के सुझाव आने से एक कंपलीट डेरी की शुरुआत हम कर सकते हैं, जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होगी। हमारा मंत्रालय भी पशुपालकों के लिए अलग-अलग योजनाएँ चलाता है। अभी-अभी 1500 एंबुलेंस देने का फैसला केंद्र सरकार द्वारा किया गया है, जो गाय, भैंस व अन्य जानवरों के लिए एक बहुत बड़ी सेवा होगी। मैं आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। डेरी के साथ आप डेरी प्रोसेसिंग में भी आगे बढ़ेगे जो बहुत ही लाभकारी है। आदरणीय जयप्रकाश जी का धन्यवाद, जैविक कृषि व एनिमल हसबेंडरी में उनका सदा योगदान रहता है। एनडीआरआई के डायरेक्टर डॉ. एम. एस. चौहान जी का भी धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने सूर्या फाउण्डेशन से मिलकर किसान व पशुपालकों के लिए यह प्रोग्राम चलाया। पुनः बहुत-बहुत धन्यवाद।

**ऑनलाइन शिविर के समापन सत्र में जुड़े शिविरार्थी**

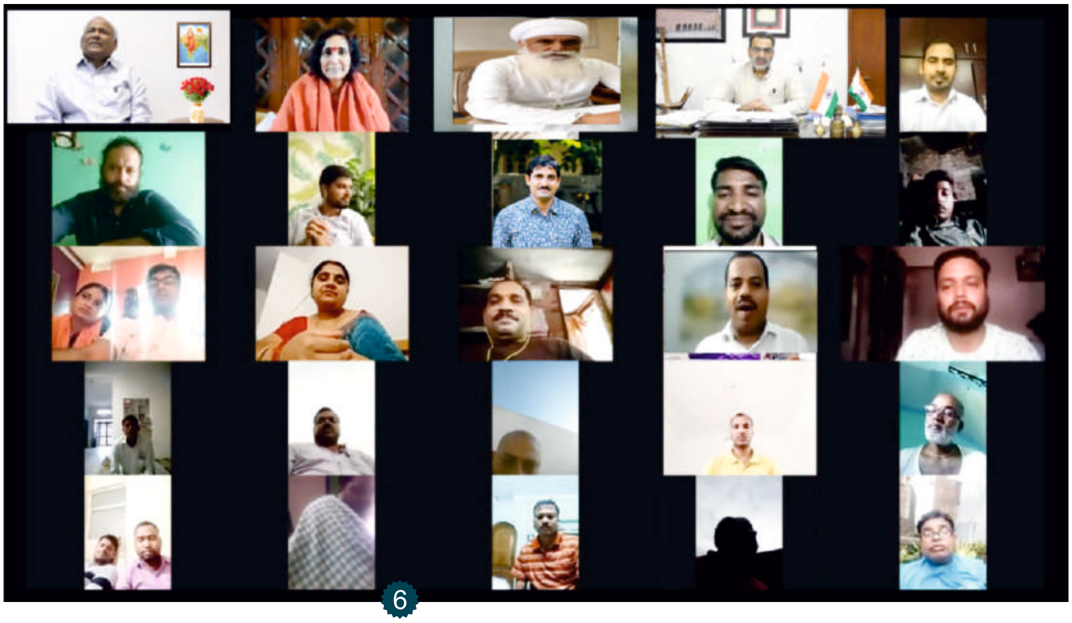

**पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल**
*चेयरमैन, सूर्या फाउण्डेशन*

देशभर से जुड़े हुए सभी पशुपालकों को मेरा नमस्कार। आप सभी ने ऑनलाइन डेरी प्रशिक्षण शिविर में रुचिपूर्वक भाग लिया, इसके लिए सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। सूर्या फाउण्डेशन पिछले अनेक वर्षों से प्रशिक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है, उसमें डेरी प्रशिक्षण शिविर एक नया प्रयोग है।

सूर्या फाउण्डेशन अपने प्रारंभ से ही देसी गाय संवर्धन और देसी गाय के गोबर, गौ-मूत्र का प्रयोग जमीन पर हो, इसके लिए प्रयास कर रहा है। जब फाउण्डेशन की स्थापना हुई तब फाउण्डेशन की साधना स्थली झिंझोली के आस-पास गाँव में हमने कुछ देसी गायों को दिया और उनके दूध का प्रयोग करने के लिए सबको प्रेरित किया। गाय के दूध का महत्व हम सबको प्राचीन काल से ही अपने पूर्वजों से पता है। फिर भी अब इसे हमें फिर से सभी को याद दिलाना पड़ेगा कि गाय के दूध में कितनी गुणवत्ता है। जिससे हम कुछ लेते है, उसके प्रति हम कृतज्ञ रहते है। हमने भूमि से अनाज लिया, उसको माँ कहा। हमने गाय से दूध लिया, उसे माँ कहा। हमने नदियों को भी माँ की संज्ञा दी। पेड़ो को भी पूजा। इस प्रकार हमारे लिए पशु और प्रकृति इसमें कोई भेद नहीं है। ये सभी उस भगवान के अंश है, इसी कृतज्ञता के भाव के साथ हमें डेरी के क्षेत्र में या पशुपालन के क्षेत्र में उतरना चाहिए। तभी हमको ज्यादा लाभ मिलेगा। वर्तमान सरकार पशुपालकों के हित में अनेक कार्य कर रही है, जिससे निश्चित रूप से आप सबको इसका लाभ जरूर मिलेगा। इस प्रशिक्षण शिविर में भारत के सबसे बड़ी डेरी अनुसंधान संस्थान-NDRI, करनाल के साथ यह प्रशिक्षण हो रहा है।

मैं व्यक्तिगत रूप से डॉ. एम. एस. चौहान जी को जानता हूँ जब वो मखदूम, मथुरा में थे। उन्होंने वहाँ के संस्थान को बहुत विकसित किया और अब जब वो स्वयं करनाल में हैं, यहाँ भी बहुत सारी उन्नत किस्में एवं नए-नए प्रयोग द्वारा किसानों के हित के लिए वे निरंतर सक्रिय हैं।

इस शिविर में पशुपालन के विभिन्न तौर-तरीके जो आपने सीखे, वे सभी आप फील्ड पर अपनायें। इसे अपनाकर निश्चित रूप से आपको लाभ मिलेगा। गौ-वंश के द्वारा हम देशभर में भूमिपोषण अभियान भी चला रहे हैं। गाय के गोबर, गौ-मूत्र से भूमि का भी पोषण होता है। इसे व्यर्थ न जाने दें। बॉयो-गैस के रूप में, हम इसके तरीकों का उपयोग कर गैस और खाद दोनों का प्रयोग कर सकते हैं। इसके बारे में, सत्र में भी आप सभी ने सुना। आप निश्चित रूप से इसका लाभ लेंगे, ऐसा मुझे आशा ही नहीं अपितु विश्वास भी है।

**डॉ. एम. एस. चौहान**
*निदेशक*
*भा.कृ.अ.प.-*
*राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान*
*करनाल, हरियाणा*

**"...हमारे देश की 50% जनसंख्या पूर्णतः शाकाहारी है। दूध ही ऐसा आहार है, जिससे उनका संपूर्ण विकास हो सकता है। राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान के द्वारा 140 तकनीकियों को हमने विकसित किया और 52 औद्योगिक एवं व्यवसाय तकनीकों को, किसानों और पशुपालकों को समर्पित किया।"**

राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान देश में 99 सालों से कार्य कर रही है। साथ ही देश के दूध उत्पादन में अपना संपूर्ण योगदान दे रही है।

मैं आपको पिछले आंकड़ों के बारे में बताना चाहता हूँ कि 1951 में दुग्ध उत्पादन 1 करोड़ 70 लाख टन था। उस समय दूध की उपलब्धता बहुत कम थी। आज हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि NDRI और पशुपालकों के सहयोग से हमारा देश दूध उत्पादन के क्षेत्र में सर्वोपरि है। इस समय 19 करोड़ 80 लाख लीटर दूध उत्पादन हो रहा है। भारत देश में जो उपलब्धता है वह 394 से 400 ग्राम प्रतिदिन प्रति व्यक्ति दूध मिल रहा है जबकि पूरे विश्व में जो एवरेज है वह 229 ग्राम प्रतिदिन प्रति व्यक्ति है।

हमारे देश में प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन में काफी बढ़ोतरी हुई है और ये बहुत जरूरी भी है क्योंकि हमारे देश की 50 प्रतिशत जनसंख्या पूर्णतः शाकाहारी है। दूध ही ऐसा आहार है, जिससे उनका संपूर्ण विकास हो सकता है। राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान के द्वारा 140 तकनीकियों को हमने विकसित किया और 52 औद्योगिक एवं व्यवसाय तकनीकों को, किसानों और पशुपालकों को समर्पित किया। इसके अलावा समय-समय पर किसानों के लिए अलग-अलग योजना बनाई, 1960 के दशक में जब बहुत कम दूध उत्पादन था हमने दूध उत्पादन को बढ़ाया।

श्वेत क्रांति की हम विशेषतौर पर चर्चा करते आए हैं। और यह बड़ा संस्थान दूध उत्पादन को बढ़ाने में हमेशा ध्यान देता है। राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान में कुछ ब्रीड का हमने विकास किया, जिसमें कर्ण फ्रिज, कर्ण स्विस हैं और इनको हमने विकसित ही नहीं किया बल्कि देश की जलवायु के हिसाब से स्थिर रखा है। यही वजह है कि दूध उत्पादन काफी मात्रा में हो रहा है। कृत्रिम गर्भाधान ऐसी तकनीक है जिसके कारण लगभग 35 से 40% पशु गर्भित हो रहे हैं। जिससे पशुओं में दूध उत्पादन डेढ़ से 2 गुना बढ़ा है। हमारी संस्था देसी गायों पर भी उनकी दशा सुधारनें के लिए, उनकी पैदावार के लिए, उनसे उत्पादकता को बढ़ाने के लिए और साथ ही साथ उनका रख-रखाव अच्छा हो, इस पर भी शोध करती रहती हैं। आज हमारे देश में साहिवाल गाय, गिर गाय और थारपारकर गाय से काफी हद तक दुग्ध उत्पादन हो रहा है। उसी श्रृंखला में यह ऑनलाइन डेरी प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया।

**डॉ. एस.एस. लठवाल**
*प्रधान वैज्ञानिक*
*I/c, LRC, ICAR-NDRI*
**Training Coordinator -**
**Online Dairy Training Camp**

किसानों और पशुपालकों को समर्पित यह ऑनलाइन डेरी प्रशिक्षण शिविर उन लोगों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। जो इस उद्योग में आगे बढ़ना चाहते हैं। मेरा मानना है कि पशुपालक जागरूक हो, तभी हम इस डेरी सेक्टर में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। NDRI की उन्नत तकनीक, उच्च दूध क्षमता के सीमन, डेरी टेक्नोलोजी और मूल्यवर्धन जैसे अनेक सुविधाएँ प्रकल्प सदा सर्वदा पशुपालकों के लिए उपलब्ध है। हम सभी शिविरार्थी भाई बहनों को अपने संस्थान पर भी आमंत्रित करते हैं। आप NDRI से जुड़ें और योजनाओं एवं तकनीक का लाभ लें।

# शिविरार्थियों के अनुभव

इस प्रशिक्षण को करने का हर किसी का अपना-अपना उद्देश्य है। उसी क्रम में मैं भी डेरी उद्यमी बनने की आशा करता हूँ। जो भी पशुपालक शिविर में भाग ले रहे हैं, वह प्रशिक्षण लेकर अपने इस व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें, यही चाहते हैं। ग्रामीण इलाकों में दो ही आय के स्रोत होते हैं—कृषि और पशुपालन। आज के समय में जो नई-नई तकनीकें आई है, उससे हम ज्यादा उत्पादकता प्राप्त कर सकते हैं। पहले कभी पशु बीमार पड़ जाते थे तो उनका इलाज नहीं हो पाता था। इलाज के अभाव में उनकी मृत्यु हो जाती थी या यूँ कहें कि पशुपालक को पता ही नहीं होता था कि उसे क्या करना है।

मुझे अपने पिता के ही पुराने व्यवसाय को आगे बढ़ाना था तो इसके लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण की आवश्यकता थी। सूर्या फाउण्डेशन के इस ऑनलाइन शिविर के बारे में पता चला। मैं धन्यवाद देता हूँ सूर्या फाउण्डेशन एवं NDRI को, जिन्होंने इतनी अच्छी जानकारी दी। मैं कामना करता हूँ कि सभी प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त कर दुग्ध व्यवसाय को आगे बढ़ाएँगे।

***अभिनेश कुशवाहा***
***नाईजीरिया***

डेरी प्रशिक्षण मेरे लिए बहुत ही लाभकारी रहा। मैं अपने डेरी संबंधित ज्ञान को बढ़ाकर व्यवसाय करना चाहता हूँ। इस शिविर को आयोजित करने के लिए मैं सूर्या फाउण्डेशन और उसकी टीम को धन्यवाद देता हूँ। विगत 3 माह से मैं इंटरनेट, यूट्यूब और किताबों से जानकारियाँ इकट्ठी कर रहा था। पर, इस शिविर से मुझे जो जानकारी मिली, वह मुझे कहीं भी नहीं मिली। मेरी माता जी की इच्छा थी कि हमारे घर में गौ-पालन हो। मैंने देखा है कि गाँव के लोग शहरों की तरफ भाग रहे हैं, उन्हें लगता है कि शहरों में विलासिता ज्यादा है। पर, मैं यह आपको बताना चाहता हूँ कि शहर में सुकून नहीं है जिंदगी का।

मैं इस प्रशिक्षण से जानकारी लेकर अपना व्यवसाय प्रारंभ करूँगा साथ ही ज्ञान अर्जित करना चाहता हूँ ताकि मुझे गौ-माता की सेवा करने का मौका मिलता रहे। वे लोग धन्य हैं, बहुत ही भाग्यशाली हैं, उन पर भगवान का आशीर्वाद है, जो इस काम में लगे हैं। मैं अपनी आजीविका चलाने के साथ-साथ गौ-सेवा भी करना चाहता हूँ।

***देवेन्द्र सिंह***
***दिल्ली***

सूर्या फाउण्डेशन एवं NDRI को इस ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के लिए मैं धन्यवाद देता हूँ। एक गौरवशाली एवं आत्मनिर्भर भारत निर्माण के लिए गौ-माता का संवर्धन और गौ आधारित कृषि बहुत ही आवश्यक है। NDRI एवं सूर्या फाउण्डेशन द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण उसी दिशा में बहुत ही लाभकारी है। NDRI के सभी वक्ताओं ने जो सत्र लिए, सच में बहुत ही ज्ञानवर्धक प्रेरणादायी है। उन्होंने नस्ल सुधार, उन्नत पशु पालन, चारा प्रबंधन के महत्व को सरल एवं सहज भाषा में बताया।

पहले मैं वैक्सीनेशन के नाम पर सिर्फ एफएमडी को प्रयोग में लाता था। इस प्रशिक्षण से मुझे पता चला कि ब्रुसोलिसिस सहित अन्य सभी वैक्सीन कितनी महत्वपूर्ण है। यह सभी जानकारी मेरे व्यवसाय को आगे बढ़ाने में लाभकारी सिद्ध होगी।

**कैप्टन आशिम शाह**
*पश्चिम बंगाल*

## ऑनलाइन शिविर में शिविरार्थियों की उपस्थिति का विवरण

| Gender | Count |
|---|---|
| Female | 11 |
| Male | 195 |
| **Grand Total** | **206** |

| Qualification | Count |
|---|---|
| 10th & 12th | 10 |
| Graduation *(B.A., B.Sc., B.Com. etc.)* | 140 |
| D.El.Ed. & B.Ed. | 1 |
| LLB | 4 |
| B.B.A. & B. Tech. | 10 |
| M.B.A. & M.Tech. | 11 |
| Post Graduation *(MA, M.Sc., M.Com. etc.)* | 8 |
| Diploma & ITI | 10 |
| Post Graduate Diploma | 8 |
| Ph.D. | 4 |
| **Grand Total** | **206** |

| Age Group | Count |
|---|---|
| 16 - 25 | 64 |
| 26 - 35 | 60 |
| 36 - 45 | 40 |
| 46 - 60 | 28 |
| 61 & above | 14 |
| **Grand Total** | **206** |

| State | Count |
|---|---|
| Bihar | 33 |
| Chattisgarh | 3 |
| Delhi | 16 |
| Goa | 1 |
| Gujarat | 1 |
| Haryana | 22 |
| Jharkhnad | 6 |
| Jammu & Kashmir | 1 |
| Karnataka | 2 |
| Maharastra | 17 |
| Meghalaya | 1 |
| Manipur | 1 |
| Madhya Pradesh | 16 |
| Odisha | 3 |
| Punjab | 7 |
| Rajasthan | 18 |
| Sikkim | 1 |
| Uttrakhnad | 5 |
| Uttar Pradesh | 45 |
| West Bangal | 7 |
| **Grand Total** | **206** |

**Total No. of State - 20**

**Total No. of District - 152**

# शिविर में सत्र लेने वाले वक्ता एवं उनके विषय

**डॉ. वल्लभ भाई कथिरिया**
*पूर्व अध्यक्ष, राष्ट्रीय कामधेनु आयोग*
**"गो आधारित उत्पाद में स्वाबलंबन"**

**डॉ. भूषण त्यागी**
*संयुक्त आयुक्त, पशुपालन मंत्रालय, भारत सरकार*
**"पशुपालन में सरकारी योजनाएँ"**

**गोपालभाई सुतारिया**
*संस्थापक, वंशी गिर गोशाला, अहमदाबाद*
**"गौ संवर्धन एवं गौ आधारित कृषि"**

**डॉ. जे.पी.एस. डबास**
*प्रधान वैज्ञानिक, IARI*
**"डेरी अपशिष्ट प्रबंधन"**

**डॉ. एस.एस. लठवाल**
*प्रधान वैज्ञानिक, I/c, LRC, ICAR-NDRI*
**"दुधारू पशुओं का आवास प्रबंधन"**

**डॉ. ए.के. सिंह**
*प्रधान वैज्ञानिक, Dairy Tech., ICAR-NDRI*
**"दूध का मूल्य संवर्धन एवं महत्व"**

**डॉ. टी.के. मोहन्ती**
*प्रधान वैज्ञानिक, LPM, ICAR-NDRI*
**"पशुपालन में लिंग निर्धारण, वीर्य एवं संभावनाएँ"**

**डॉ. पवन सिंह**
*प्रधान वैज्ञानिक, I/c, ABRC, ICAR-NDRI*
**"दुधारू भैंस की नस्ल एवं सुधार"**

**वेद**
*वाइस चेयरमैन, सूर्या फाउण्डेशन*
**"सफल उद्यमी के लिए लोक व्यवहार का महत्त्व"**

**डॉ. चन्द्रदत्त**
*प्रधान वैज्ञानिक, AN, ICAR-NDRI*
**"दुधारू पशुओं में पशु आहार प्रबंधन खनिज लवण का महत्व"**

**डॉ. राकेश कुमार**
*प्रधान वैज्ञानिक, KVK, ICAR-NDRI*
**"हरा चारा उत्पादन एवं संरक्षण"**

**डॉ. ए.के. मिश्रा**
*वैज्ञानिक, HOD, LPM, ICAR-NDRI*
**"पशुधन एकीकृत कृषि प्रणाली"**

# शिविर में सत्र लेने वाले वक्ता एवं उनके विषय

**डॉ. विकास वोहरा**
*प्रधान वैज्ञानिक, AG&B, ICAR-NDRI*
**"दुधारू गोवंश की नस्लें एवं सुधार"**

**डॉ. वी आर महाराणा**
*वैज्ञानिक, Vety Parasitological, LUVAS*
**"दुधारू पशुओं में कृमि हरण"**

**डॉ. रमेश कुमार**
*वैज्ञानिक, LUVAS*
**"पशुओं के सामान्य रोग-लक्षण, रोकथाम एवं टीकारण"**

**डॉ. रूबीना के. बैठालू**
*वैज्ञानिक, LPM, ICAR-NDRI*
**"दुधारू पशुओं का पूर्व प्रसव व प्रसवोत्तर का प्रबंधन"**

**डॉ. ऋचा सिंह**
*वैज्ञानिक, Dairy Chemistry, ICAR-NDRI*
**"दूध एवं दूध के मानक पदार्थ"**

**डॉ. आर. के. चहल**
*वरिष्ठ वैज्ञानिक, ATIC, ICAR-NDRI*
**"ATIC द्वारा किसानों को विभिन्न सेवायें"**

**डॉ. एम.एल. कम्बोज**
*प्रधान वैज्ञानिक, LPM, ICAR-NDRI*
**"व्यवसायिक डेरी की स्थापना एवं प्रबंधन"**

**डॉ. निशांत कुमार**
*वैज्ञानिक, LPM, ICAR-NDRI*
**"पशुओं में प्रजनन संबंधी समस्याएँ एवं समाधान"**

**डॉ. मुकेश भकत**
*वरिष्ठ वैज्ञानिक, ABRC, ICAR-NDRI*
**"पशुपालन में लिंग निर्धारित वीर्य एवं संभावनाएँ"**

**डॉ. मनदीप सिंह**
*वैज्ञानिक, GADVASU*
**"कम लागत में पशुपालन कैसे करें"**

**डॉ. सुशील कुमार**
*वैज्ञानिक, LUVAS*
**"पशु आहार प्रबंधन खनिज लवण का महत्व"**

**डॉ. के. एल. दहिया**
*Vety. Surgeon*
**"दुधारू पशुओं की परम्परागत विधियाँ"**

# समाचार-पत्रों में डेरी प्रशिक्षण शिविर...

राष्ट्रीय — अमर सहारा

परमपूज्य सद्गुरू उदय सिंह जी
(प्रमुख - नामधारी संप्रदाय)

डॉ. संजीव बलियान जी
(पशुपालन, डेरी और मत्स्य पालन राज्यमंत्री)

विश्वविद्यालय– लुधियाना के वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन मिला।

इस शिविर में विभिन्न विषय जैसे पशुओं का रखरखाव, आवास प्रबंधन, चारा प्रबंधन, पशु रोग लक्षण एवं निदान, पशु टीकाकरण, स्वच्छ दूध उत्पादन, डेरी अपशिष्ट प्रबंधन, नस्ल सुधार जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र वैज्ञानिकों द्वारा लिए गए।

शिविर का समापन दिनांक 24 जुलाई 2021 (शनिवार) को हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दीदी मां साध्वी ऋतंभरा जी– संस्थापक वात्सल्य ग्राम, सद्गुरु उदय सिंह जी– प्रमुख नामधारी सम्प्रदाय, विशिष्ट अतिथि पदम श्री जयप्रकाश अग्रवाल जी– चेयरमैन सूर्या फाउंडेशन, संजीव बालियान– मत्स्य, डेरी और पशुपालन राज्यमंत्री भारत सरकार, एम एस चौहान – निदेशक एनडीआरआई, करनाल की उपस्थिति रही।

पूज्य सद्गुरु उदय सिंह जी ने गौ पालन का महत्व को बताते हुए नामधारी संगत द्वारा गोपालन के क्षेत्र में किए गए बलिदानों के बारे में बताया।

संस्था के चेयरमैन पदम श्री जयप्रकाश अग्रवाल जी ने डेयरी उद्योग में पवित्रता के साथ लोगों को जुड़ने के लिए प्रेरित किया एवं देसी गोपालन के महत्व को बताया। डॉक्टर संजीव बालियान जी द्वारा डेरी के क्षेत्र में युवाओं की बड़ी रुचि को देखते हुए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

साध्वी ऋतंभरा जी ने कहा कि हमारे देश में भगवान के नाम के भी आगे गौ शब्द का उपयोग हुआ है इसलिए वह गोविंद, गोपाल कहलाए।

राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान के निदेशक एम एस चौहान जी ने सूर्या फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की एवं आश्वासन दिया कि हमारे वैज्ञानिक किसानों एवं पशुपालकों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहेंगे।

शिविर में चार अन्य देशों के भारतीय मूल के नागरिक भी जुड़े थे। इस शिविर के संचालन टोली में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ एस एस लठवाल जी का विशेष सहयोग मिला। शिविर संचालन में सूर्या फाउंडेशन के प्रशिक्षण प्रमुख गौतम नायक जी, सह प्रशिक्षण प्रमुख हिमांशु जी अनिरुद्ध सिन्हा, गौरव शर्मा, रुस्तम आदि की सहभागिता रही।

राष्ट्रीय — अमर सहारा

ऑनलाइन डेयरी प्रशिक्षण शिविर का समापन

## ई प्लेटफार्म पर संपन्न हुआ डेयरी प्रशिक्षण शिविर

❑ राहुल देव शर्मा

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान एवं सूर्या फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में डेरी क्षेत्र को उन्नत बनाने के लिए डेरी प्रशिक्षण शिविर का संचालन 19 जुलाई से 24 जुलाई 2021 तक किया गया।

इस प्रशिक्षण शिविर में देशभर के 20 राज्यों के 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया इस शिविर में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान – करनाल, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय तथा गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान

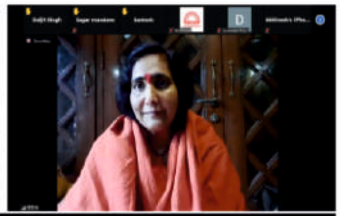

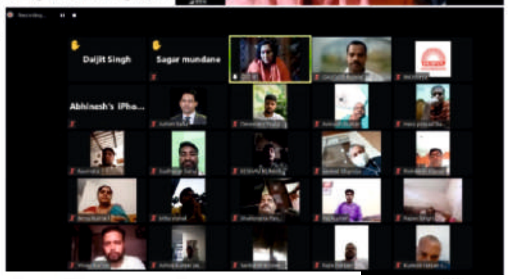

## ऑनलाइन डेयरी प्रशिक्षण शुरू

बहादुरगढ़। राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान व सूर्या फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में पशुपालन क्षेत्र को उन्नत बनाने के लिए डेयरी प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत हुई। इस ऑनलाइन शिविर में केंद्रीय मत्स्य एवं पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला ने भी सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एमएस चौहान ने भारत में डेयरी उद्योग के भविष्य के बारे में बताया। फाउंडेशन के प्रशिक्षण प्रमुख गौतम नायक ने बताया कि यह छह दिवसीय ऑनलाइन शिविर 24 तक चलेगा।

## सूर्या फाउंडेशन द्वारा ऑनलाइन डेयरी प्रशिक्षण की शुरूआत

**सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़। ई-प्लेटफार्म** पर शुरू हुआ डेयरी प्रशिक्षण शिविर

राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान एवं सूर्या फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में डेरी क्षेत्र के उन्नत बनाने के लिए डेरी प्रशिक्षण शिविर की शुरूआत 19 जुलाई से की गई। इस प्रशिक्षण शिविर में देश भर के 20 राज्यों के 130 जिलों के 200 शिविरार्थी भाग ले रहे हैं।

शिविर का उद्घाटन भारत सरकार के केंद्रीय मत्स्य एवं पशुपालन मंत्री माननीय पुरुषोत्तम रुपाला के उद्बोधन से हुआ अपने उद्बोधन में उन्होंने सरकार द्वारा डेरी क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों के बारे में बताया और सूर्या फाउंडेशन द्वारा डेरी प्रशिक्षण के कार्यक्रम की भरपूर सराहना की। उद्घाटन कार्यक्रम में राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान निदेशक डॉक्टर एम.एस. चौहान ने भारत में डेरी उद्योग के भविष्य के बारे में बताया कि हमारा भारत दुग्ध उत्पादन के अग्रणी देशों में से एक है परंतु प्रति वर्ष पशु दुग्ध उत्पादन हम अभी भी पीछे हैं। अगर पशुपालन पशुओं को वैज्ञानिक प्रबंधन सीख ले तो दुग्ध उत्पादन में

बढ़ोतरी की जा सकती है। उद्घाटन कार्यक्रम में अजीत महापात्र जी गौ-सेवा विभाग - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने गांय के महत्व को समझाया और यह भी बताया कि हम डेरी एवं पशुपालन के क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ सकते हैं। शिविर के उद्घाटन सत्र में सूर्या फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन श्री वेद जी, श्री मुकेश जी, श्री अनन्त बिराहर जी, श्री हेमंत जी, आदर्श योजना के जोन प्रमुख कामेश्वर जी भी उपस्थित रहे। सूर्या फाउंडेशन के प्रशिक्षण प्रमुख गौतम नायक जी ने बताया की यह छह दिवसीय ऑनलाइन शिविर 19 जुलाई से 24 जुलाई 2021 तक चलेगा जिसमें राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान - एनडीआरआई, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - आसीएआर, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक विभिन्न सत्रों के माध्यम से शिविरार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे और सत्रों के अंत में विषयों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी वक्ताओं द्वारा दिए जाएँगें।

## सूर्या फाउंडेशन द्वारा ऑनलाइन डेयरी प्रशिक्षण की शुरुआत

**प्रदीप वर्मा, बहादुरगढ़/राष्ट्रीय प्रसार** ।ई-प्लेटफार्म पर शुरू हुआ डेयरी प्रशिक्षण शिविर राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान एवं सूर्या फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में डेरी क्षेत्र के उन्नत बनाने के लिए डेरी प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत 19 जुलाई से की गई। इस प्रशिक्षण शिविर में देश भर के 20 राज्यों के 130 जिलों के 200 शिविरार्थी भाग ले रहे हैं।

शिविर का उद्घाटन भारत सरकार के केंद्रीय मत्स्य एवं पशुपालन मंत्री माननीय पुरुषोत्तम रुपाला के उद्बोधन से हुआ अपने उद्बोधन में उन्होंने सरकार द्वारा डेरी क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों के बारे में बताया और सूर्या फाउंडेशन द्वारा डेरी प्रशिक्षण के कार्यक्रम की भरपूर सराहना की।

उद्घाटन कार्यक्रम में राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान निदेशक डॉक्टर एम.एस. चौहान ने भारत में डेरी उद्योग के भविष्य के बारे में बताया कि हमारा ...त्पादन के अग्रणी देशों में ... प्रति वर्ष पशु दुग्ध उत्पादन ...पीछे हैं। अगर पशुपालन ...ानिक प्रबंधन सीख ले तो ... में बढ़ोतरी की जा सकती ...र्यक्रम में अजीत महापात्र ...वभाग - राष्ट्रीय स्वयंसेवक ...ने महत्व को समझाया और यह भी बताया कि हम डेरी एवं ... क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ सकते हैं। शिविर के उद्घाटन सत्र में ...

## ई प्लेटफार्म पर संपन्न हुआ ऑनलाइन डेयरी प्रशिक्षण

**नई दिल्ली (एजें) २४ जुलाई :** राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान एवं सूर्या फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में डेयरी क्षेत्र को उन्नत बनाने के लिए डेयरी प्रशिक्षण शिविर का संचालन १९ जुलाई से २४ जुलाई २०२१ तक किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में देशभर के २० राज्यों के २०० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस शिविर में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान - करनाल, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय तथा गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय- लुधियाना के वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन मिला। इस शिविर में विभिन्न विषय जैसे पशुओं का रखरखाव, आवास प्रबंधन, चारा प्रबंधन, पशु रोग लक्षण एवं निदान, पशु टीकाकरण, स्वच्छ दूध उत्पादन, डेरी अपशिष्ट प्रबंधन, नस्ल सुधार जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र वैज्ञानिकों द्वारा लिए गए।

**शिविर का समापन दिनांक २४ जुलाई २०२१ (शनिवार) को हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में दीदी मां साध्वी ऋतंभरा जी- संस्थापक वात्सल्य ग्राम, सद्गुरु उदय सिंह जी- प्रमुख नामधारी सम्प्रदाय, विशिष्ट अतिथि पदम श्री जयप्रकाश अग्रवाल जी- चेयरमैन सूर्या फाउंडेशन, संजीव बालियान- मत्स्य, डेरी और पशुपालन राज्यमंत्री भारत सरकार, एम एस चौहान - निदेशक एनडीआरआई, करनाल की उपस्थिति रही। पूज्य सद्गुरु उदय सिंह जी ने गौ पालन का महत्व को बताते हुए नामधारी संगत द्वारा गोपालन के क्षेत्र में किए गए बलिदानों के बारे में बताया।**

**संस्था के चेयरमैन पद्म श्री जयप्रकाश अग्रवाल जी ने डेयरी उद्योग में पवित्रता के साथ लोगों क... गोपालन के महत्व को बताया।**

**डॉक्टर संजीव बालियान जी द्व... रुचि को देखते हुए सरकार की योज... ऋतंभरा जी ने कहा कि हमारे देश म... का उपयोग हुआ है इसलिए वह गो...**

**राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान के... फाउंडेशन की इस पहल की सराह... वैज्ञानिक किसानों एवं पशुपालकों... शिविर में चार अन्य देशों के भारत...**

**इस शिविर के संचालन ट... संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ... सहयोग मिला। शिविर संचालन... प्रमुख गौतम** नायक जी, सह प्रशि... गौरव शर्मा, रुस्तम आदि की सहभा...

## संपन्न हुआ ऑनलाइन डेयरी प्रशिक्षण शिविर

बहादुरगढ़। राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान एवं सूर्या फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में 19 जुलाई को शुरू हुआ ऑनलाइन डेयरी प्रशिक्षण शिविर शनिवार को संपन्न हो गया। कैंप में देशभर के 20 राज्यों के 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। शिविर में एनडीआरआई करनाल पशु विज्ञान विवि लुधियाना के वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन मिला। कैंप में पशुओं के रख-रखाव, आवास प्रबंधन, चारा प्रबंधन, पशु रोग लक्षण एवं निदान,पशु टीकाकरण, स्वच्छ दूध उत्पादन, डेयरी अपशिष्ट प्रबंधन, नस्ल सुधार जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम में साध्वी ऋतंभरा, सद्गुरु उदय सिंह, जयप्रकाश अग्रवाल, केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान व एनडीआरआई के निदेशक एमएस चौहान आदि मौजूद

## सूर्या फाउंडेशन ने की ऑनलाइन डेयरी प्रशिक्षण की शुरूआत